पायलट के हाड़ौती पहुंचने पर जबरदस्त भीड़ ने कांग्रेस के स्थापित नेताओं की नींद उड़ाई

हाड़ौती का एक भी विधायक कार्यक्रम में नहीं पहुंचा, ऐसे में जो भीड़ थी वह पायलट समर्थकों की ही थी, जो हाड़ौती से ही नहीं, अन्य क्षेत्रों से भी पहुंची थी

- पायलट ने भीड़ जुटाकर जताने का भरसक प्रयास किया, कि उन्हें सरकार का नेतृत्व मिलने में देरी हो रही हो, लेकिन आम लोगों के बीच उनकी पहुंच उसी तरह बनी हुई है
- जिस क्षेत्र में सचिन पायलट के लिए भीड़ जुटी है, उसी क्षेत्र से होकर राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के साथ राजस्थान में प्रवेश करेंगे

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में फिलहाल सियासी शांति है। इस शांति के बीच सचिन पायलट अपने मूल समर्थकों के क्षेत्र हाड़ौती में पहुंचे तो स्वाभाविक तौर पर बड़ी भारी संख्या में भीड़ उमड़ी। हालांकि हाड़ौती के नेताओं में प्रमुख शांति धारीवाल जो कि सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाए जाने की खिलाफत खुलकर कर रहे हैं। वहीं कोटा के दूसरे नेता पंकज मेहता, विधायक भरत सिंह, मंत्री प्रमोद जैन भाया सहित अधिकांश नेता और उनके समर्थक नजर नहीं आए। ऐसे में जो भीड़ थी, वह सचिन पायलट समर्थकों की ही थी, जो कि सिर्फ हाड़ौती से ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों से कोटा पहुंची थी।

दरअसल राजस्थान में सियासी बदलाव की संभावनाओं के बीच सचिन पायलट का हाड़ौती में पहुंचना कुछ नई राजनीतिक चर्चाओं को जन्म देगा। यह चर्चाएं इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा करते हुए जब राजस्थान में प्रवेश करेंगे, तो उनकी यात्रा का प्रवेश द्वार भी हाड़ौती ही होगा। उस यात्रा के राजस्थान पहुंचने के करीब 2 महीने पहले सचिन पायलट ने भीड़ जुटाकर यह संदेश देने का भी भरसक प्रयास किया है कि उन्हें सरकार का नेतृत्व मिलने में भले ही देरी हो रही हो, लेकिन आम लोगों के बीच उनकी पहुंच, उसी तरह बनी हुई है, जैसे ही 2018 में थी। वैसे 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले भी सचिन पायलट ने बारां से झालावाड़ के बीच पदयात्रा करके कांग्रेस आलाकमान को संदेश दिया था बल्कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को उनके गढ़ में चुनौती देने का काम भी किया था अब क्योंकि राजस्थान में विधानसभा चुनाव में ठीक 1 वर्ष का समय बचा हुआ है ऐसे में सियासी उठापटक के बीच सचिन पायलट ने एक बार फिर वहीं क्षेत्र चुना है जहां भाजपा को सबसे मजबूत माना जाता रहा है।

हाड़ौती वह क्षेत्र है जिसमें गुर्जरों के साथ में ही मीणा मतदाताओं की संख्या बहुतायत में है और यह दोनों ही समुदाय किसी समय राजेश पायलट के बेहद नजदीकी रहे हैं और 2018 में सचिन पायलट ने भी इन दोनों समुदायों को साथ लेकर अपनी ताकत दिखाई थी। हालांकि यह बात अलग है कि हाड़ौती में इन दो समुदायों की बहुतायत होने के बावजूद कांग्रेस को झालावाड़ और कोटा दोनों ही लोकसभा क्षेत्रों में संसदीय चुनाव में सफलता नहीं मिली है। सिर्फ 1998 में रामनारायण मीणा और 2009 में इज्जराज सिंह अपवाद रहे हैं, जिन्होंने कोटा लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीतकर कांग्रेस का खाता खोला था।

यह सही है कि हाड़ौती में सचिन पायलट को जातिगत और अन्य समर्थन जबरदस्त है, लेकिन हाड़ौती में गुर्जर मतदाताओं की बहुतायत के बावजूद कांग्रेस से जीतने वाले विधायक सचिन पायलट के खेमे में नहीं हैं। चाहे बारां जिले की बात हो, कोटा की बात हो या बूंदी का मामला हो। तीनों ही जिलों में कांग्रेस के जीते हुए विधायकों में से इस समय सचिन पायलट के खेमे में कोई भी शामिल नहीं है। इसके बावजूद सचिन पायलट का हाड़ौती में पहुंचने पर जबरदस्त भीड़ की ओर से समर्थन दिया जाना उन नेताओं की नींद उड़ाने जैसा जरूर होगा, जोकि फिलहाल कांग्रेस में स्थापित नेता माने जाते हैं।

अब जैसा की संभावनाएं जताई जा रही है, कि कांग्रेस में नया बदलाव कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव, जो कि 19 अक्टूबर को संपन्न होने जा रहे हैं, के बाद होगा। उस बदलाव से ठीक पहले सचिन पायलट का अपनी ताकत का प्रदर्शन करना, कांग्रेस में कितना सकारात्मक संदेश देने में सफल होगा, यह देखना सबसे महत्वपूर्ण होगा।

'बांध सुरक्षा के लिए ठोस मॉडल लागू करने में सहयोग करें राज्य'

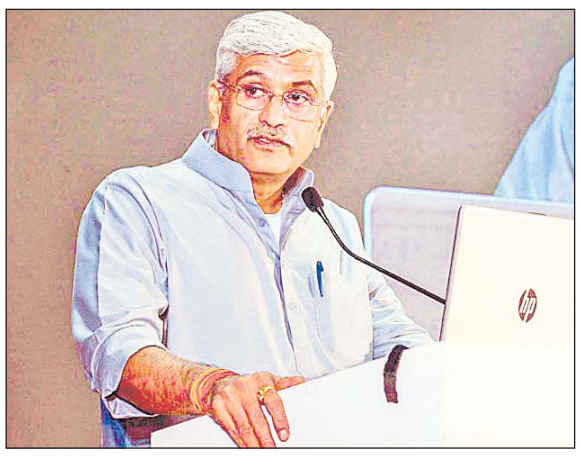

जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरयम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय डैम सेफ्टी कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सक्षम बांध प्रबंधन पर विशेष जोर दिया।

जयपुर। केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण के गठन के बाद भी राज्य सरकारों द्वारा इस दिशा में तेजी से काम नहीं करने पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में जिस तरह का जिम्मेदार माहौल होना चाहिए था, वह राज्य सरकारों के उदासीन रवैए की वजह से नहीं बन पाया है, जिसकी वजह से सक्षम बांध प्रबंधन की दिशा में केंद्र सरकार के प्रयासों को अपेक्षित बल नहीं मिल पा रहा है।

बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय डैम सेफ्टी कॉन्फ्रेंस-2022 में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि भारत जैसे देश के लिए सक्षम बांध प्रबंधन बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि विश्व के अन्य भागों की तुलना में हमारी जल क्षमता बहुत कम है। पानी की मांग में तेजी से वृद्धि की तुलना में नए बांधों की संभावना भी बहुत कम है, इसलिए सक्षम बांध प्रबंधन की दिशा में तेजी से काम करते हुए मौजूदा बांधों के उचित उपयोग और बेहतर प्रबंधन पर काम करने की सख्त जरूरत है।

उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले 100 वर्षों में बांधों और संबंधित संरचनाओं में भारी निवेश किया है। हमारे पास जितने बांध हैं, उसके मामले में चीन और अमेरिका के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। हमारे देश में लगभग 5,700 बड़े बांधों में से लगभग 80 बांध 25 वर्ष से अधिक पुराने हैं। इसके अलावा, देश में लगभग 227 बांध हैं, जो 100 साल से अधिक पुराने हैं और अभी भी कार्य कर रहे हैं।

शेखावत ने कहा कि कई बार प्राकृतिक आपदाओं की वजह से बांधों का जलस्तर अचानक बढ़ जाता है, इसकी वजह से कई बड़ी घटनाएं घट जाती हैं। उन्होंने 2013 में उत्तराखंड के केदारनाथ में आई बाढ़ और जून 2014 में हिमाचल के कुल्लू जिले में ब्यास नदी में 24 इंजीनियरिंग छात्रों (जिसमें 18 लड़के और 6 लड़कियां शामिल थीं) के डूबने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं हमें छोटी और बड़ी जल परियोजनाओं और उनसे जुड़े मानव सुरक्षा के सवाल पर नए और जवाबदेह तरीके से सोचने पर मजबूर करती हैं। लिहाजा, इस दिशा में राज्यों को केंद्र सरकार के प्रयासों में सहयोग करना चाहिए।

भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक आज

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को सुबह 11 बजे भाजपा प्रदेश पदाधिकारी बैठक को राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, प्रदेश सह प्रभारी एवं राष्ट्रीय मंत्री विजया राहटकर संबोधित करेंगे एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर चर्चा करेंगे। वहीं दोपहर 2 बजे पार्टी के आगामी कार्यक्रमों व अभियानों को लेकर प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले युवक को सजा

जयपुर, (का.सं.)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने पन्द्रह साल की पीड़िता से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त सुनील यादव को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 21 साल के इस अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि पीड़िता के पिता ने एक सितंबर 2020 को जोबनेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि उसकी नाबालिग बेटी बिना बताए कार में बैठकर चली गई है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि वर्ष 2017 में वह अभियुक्त के साथ रेनवाल से रेवाडी, दिल्ली और हरिद्वार गए थे। जहां अभियुक्त ने उसके साथ कइ बार संबंध बनाए। इस मामले में किशोर बोर्ड ने अभियुक्त को बरी कर दिया था। इसके बाद फरवरी, 2019 में अभियुक्त वापस उसके संपर्क में आया था। इस दौरान उसने फिर से कई बार उसके साथ संबंध बनाए।

वहीं एक सितंबर 2020 को वह अभियुक्त के कहने पर रेनवाल चली गई थी, लेकिन अभियुक्त उसे वहां नहीं मिला और दो दिन का इंतजार करने के बाद उसने अपने परिजनों को फोन कर रेनवाल में होने की जानकारी दी।

हरिशंकर जांगिड़ ने कार्यभार ग्रहण किया

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास आयोग के सदस्य के रूप में मनोनीत हरिशंकर जांगिड़ ने शुक्रवार को राजस्थान राज्य अन्य अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास आयोग के सदस्य के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

उन्होंने अपना कार्य ग्रहण पवन गोदारा अध्यक्ष राजस्थान राज्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास आयोग को सौंपा। इस अवसर पर विभिन्न गणमान्य जन उपस्थित रहे।

राजस्थान ग्रामीण परिवार आजीविका ऋण योजना लागू

- प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र के परिवारों के लिए नई योजना की शुरूआत
- एक लाख परिवारों को अकृषि कार्यों के लिए 2 हजार करोड़ रूपये का ब्याज मुक्त ऋण मिलेगा

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र के परिवारों के लिए राजस्थान ग्रामीण परिवार आजीविका ऋण योजना लागू की है। इस नई योजना में वर्ष 2022-23 में एक लाख परिवारों को अकृषि कार्यों के लिए 2 हजार करोड़ रूपये का ब्याज मुक्त ऋण दिया जायेगा। राज्य के ग्रामीण क्षेत्र में विगत 5 वर्षों से निवास कर रहे परिवार ऋण के लिए पात्र होंगे। यह ऋण वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, सहकारी बैंकों एवं स्माल फाईनेन्स बैंकों के माध्यम से मिलेगा। राज्य सरकार इस प्रकार के ऋणों के लिए 100 करोड़ रूपये का ब्याज अनुदान देगी। यह जानकारी सहकारिता मंत्री उदय लाल आंजना ने सोमवार को दी।

आंजना ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में कई परिवार, कृषि एवं पशुपालन के साथ-साथ अकृषि गतिविधियां यथा हस्तशिल्प, लघु उद्योग, कताई-बुनाई, रंगाई-छपाई आदि पर भी आजीविका के लिए निर्भर है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों के लिए अकृषि क्षेत्र में एक लाख परिवारों को 2 हजार कराड़ रूपये के ब्याज मुक्त ऋण वितरित किये जाने की बजट घोषणा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने की थी। मुख्यमंत्री गहलोत ने इस योजना को मंजूरी दे दी है। योजना के लागू होने से अब ग्रामीण क्षेत्र के कृषक परिवारों को कृषि कार्यों के साथ-साथ अकृषि कार्यों के लिए भी ब्याज मुक्त ऋण मिल पायेगा।

उन्होंने बताया कि योजना में अन्य पात्रता मापदण्डों की पूर्ति करने वाले लघु एवं सीमान्त कृषक तथा भूमिहीन श्रमिक जो कि किरायेदार, मौखिक पट्टेदार, बटाईदार आदि के रूप में काश्त कर रहे हैं, के परिवार भी पात्र होंगे। इसके अतिरिक्त ग्रामीण दस्तकार तथा अकृषि कार्यों में जीवन यापन करने वाले ग्रामीण परिवार के सदस्य भी पात्र होंगे। इसके साथ ही राजीविका के स्वयं सहायता समूहों, उत्पादक समूहों एवं व्यवसायिक समूहों के व्यक्तिगत सदस्यों को सामूहिक गतिविधियों के लिए ऋण उपलब्ध करवाया जायेगा। प्रति समूह अधिकतम 10 सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से ऋण दिया जायेगा एवं ऋण की अधिकतम राशि 2 लाख रूपये होगी।

आज़ादी का अमृत महोत्सव | भारत सरकार

हमारी विरासत, हमारा गौरव

हमारी विरासत ने कभी भारत को स्वर्णिम काल दिया था। यह समृद्ध विरासत कोटि-कोटि देशवासियों का गौरव है।

"नए भारत में अपनी संस्कृति का गर्व भी है और अपने सामर्थ्य पर उतना ही भरोसा भी है। नए भारत में विरासत भी है और विकास भी है।"
- नरेन्द्र मोदी

करोड़ों देशवासियों की आस्था को बल
- केदारनाथ मंदिर परिसर से जुड़े स्थलों का पुनर्निर्माण, बाबा विश्वनाथ धाम का भव्य निर्माण
- भगवान श्री राम का अयोध्या में बन रहा भव्य और दिव्य मंदिर
- सोमनाथ मंदिर परिसर का सौन्दर्यीकरण, शक्तिपीठ अम्बाजी तीर्थ धाम में तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं का विकास, कालिका माता मंदिर, पावागढ़ का पुनर्निर्माण
- बाबा बैद्यनाथ धाम का विकास, जगद्गुरु संत तुकाराम महाराज शिला मंदिर, देहू, पुणे का लोकार्पण

योग और आयुष – दुनिया के लिए भारत की अमूल्य धरोहर
- स्वस्थ जीवन शैली के लिए भारत के योग को पूरी दुनिया ने अपनाया, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से योग दुनिया के कोने-कोने में पहुंचा
- आयुष से जुड़े हमारे पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान को संरक्षित करने के लिए अभूतपूर्व प्रयास, वैश्विक निवेश और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए ग्लोबल आयुष समिट
- जामनगर में डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन

आज़ादी के पुरोधाओं का स्मरण और सम्मान
- भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय, देश भर में हो रही है 10 जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों की स्थापना
- डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के जीवन से जुड़े पांच स्थलों की पंचतीर्थ के रूप में स्थापना
- नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का जन्म दिवस पराक्रम दिवस के रूप में मनाने का निर्णय, कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल में विप्लवी भारत गैलरी और लाल किले में संग्रहालय का निर्माण

श्री महाकाल लोक का
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लोकार्पण
उज्जैन, मध्य प्रदेश, 11 अक्टूबर 2022, सायं 06:00 बजे से

CBC 22201/13/0129/2223